प्रेम बिहारी 'अजमेरी'

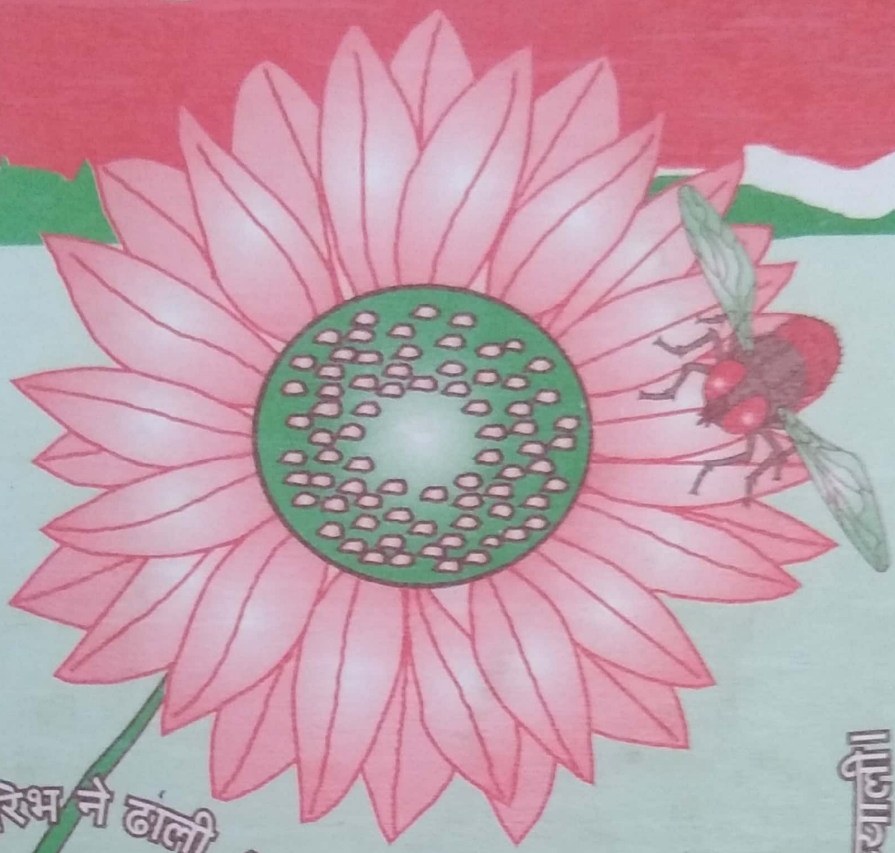

कंचुड़ियाँ खिल उठीं मुदित हो सुधा सुरभि ने ढाली, 'मधुप' गुंजन लगे पान कर 'प्रेम-पराग'-रस प्याली!!

प्रेम-पराग

कहानी संग्रह

सम्पादक
विद्या सागर शर्मा

सहसम्पादक
डॉ. सरोज गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

प्रेमविहारी 'अजमेरी'

रचनावलि
(एक विशद् अध्ययन)

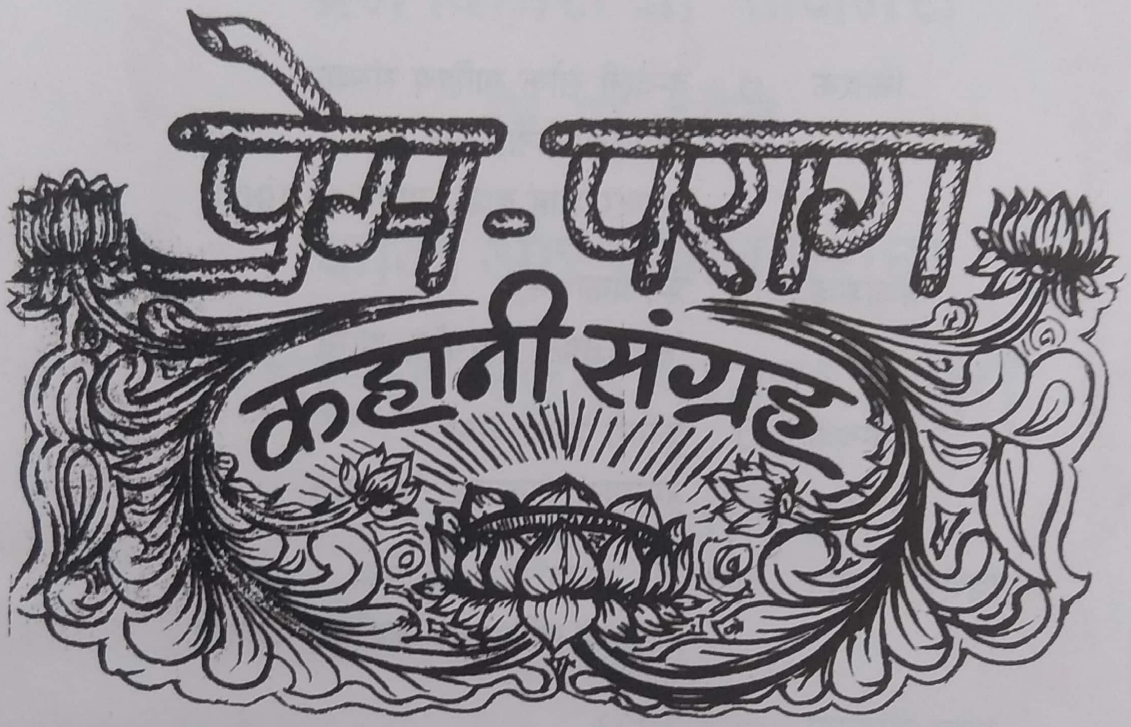

पंखुड़ियाँ खिल उठीं मुदित हो, सुधा सुरभि ने ढाली,
'मधुप' गूँजने लगे पान कर, 'प्रेम-पराग' रस-प्याली।

संपादक
पं० विद्यासागर शर्मा

सहयोग
डॉ० सरोज गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

वितरक ❑ बुन्देली लोक साहित्य संस्थान
सीमा कालोनी, स्नेह नगर,
मधुकर शाह वार्ड, सागर-470001

प्रकाशक ❑ प्रेम प्रकाशन,
'सन्त सदन' चिरगाँव, झाँसी

प्रबन्धक ❑ कुमारी शोभा शर्मा
प्रेमनगर, बालाघाट (म० प्र०)

विशेष सहयोग ❑ डॉ० अरुण मीरा रिछारिया
रिछारिया हास्पिटल, काशीपुर, नैनीताल

प्रथम संस्करण ❑ 2003

आवरण एवं चित्रांकन ❑ गुणसागर शर्मा 'सत्यार्थी'
कुण्डेश्वर, टीकमगढ़ (म० प्र०)

अक्षर संयोजन ❑ इमेज, इलाहाबाद

मुद्रक ❑ भार्गव प्रेस
बाई का बाग, इलाहाबाद

मूल्य ❑ रु० 275.00

Scanned with OKEN Scanner

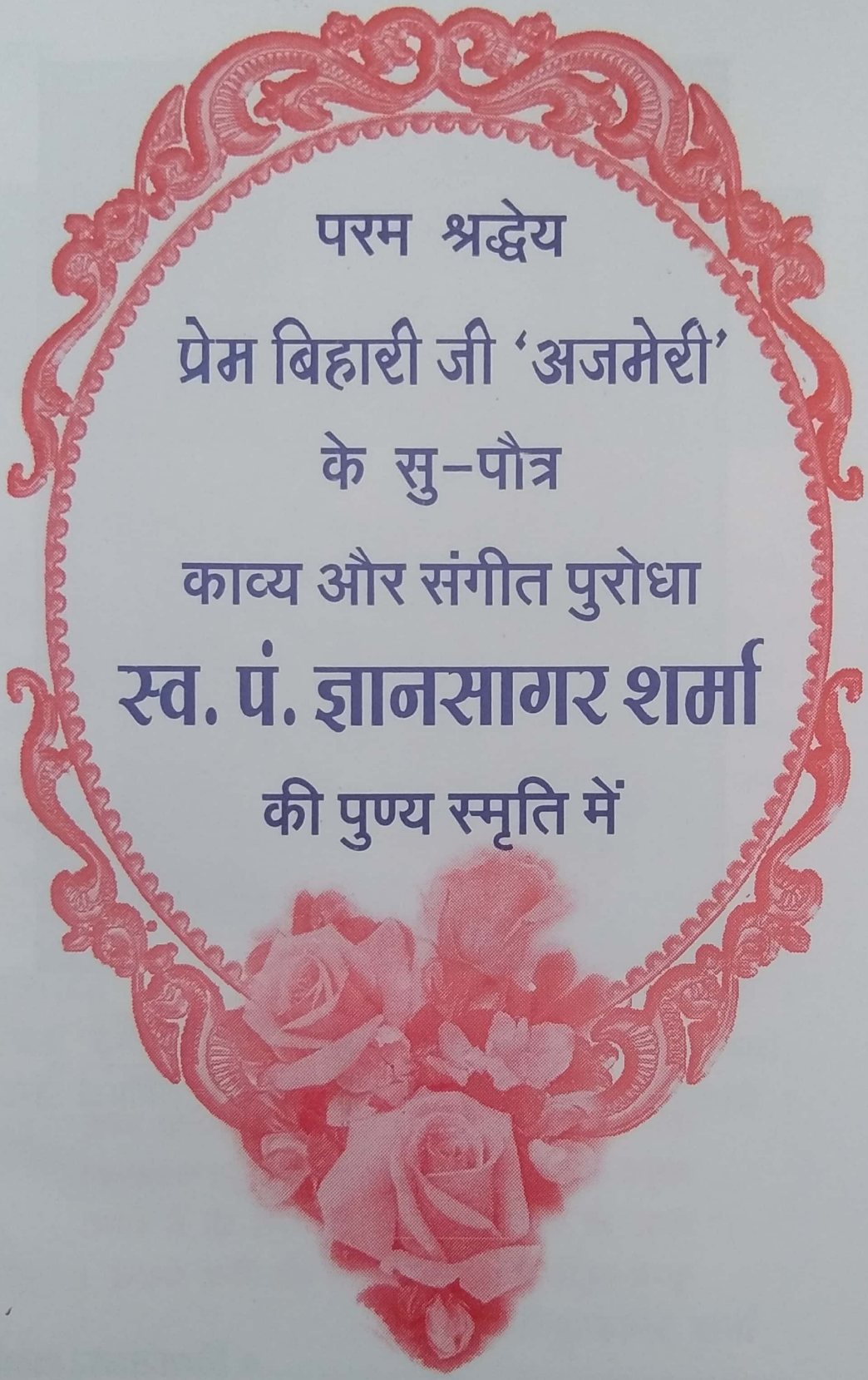

परम श्रद्धेय

प्रेम बिहारी जी 'अजमेरी'

के सु-पौत्र

काव्य और संगीत पुरोधा

स्व. पं. ज्ञानसागर शर्मा

की पुण्य स्मृति में

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

संस्मरण एवं मूल्यांकन

सम्पादकीय	पं० विद्यासागर शर्मा	9
आमुख	पद्मभूषण डॉ० अमृतलाल 'नागर'	19
आलोक	पं० विद्यासागर शर्मा	29
उनका अभिनन्दन	पद्म श्री डॉ० लक्ष्मीनारायण दुबे	32
आदर्श अनुवादक	पं० श्यामनारायण 'कश्मीरी'	34
बुंदेली काव्य गंगा के भगीरथ	पं० गुणसागर शर्मा 'सत्यार्थी'	39
प्रतिमा	सुश्री डॉ० सरोज गुप्ता	48
एक महान व्यक्तित्व	श्री प्रेमनारायण रुसिया	53
परतापी पुनवंत	पं० गुलाबराय शर्मा	58
पारिवारिक परिवेश	सुश्री शोभा शर्मा	59
श्रद्धांजलि	पद्म भूषण डॉ० रामकुमार वर्मा	67
पुष्पांजलि	श्री उर्मिलाचरण गुप्त	69

रचना-खण्ड

मधुकर शाह	स्वर्गीय प्रेम बिहारी 'अजमेरी'	01
पन्नों का कण्ठा	,,	19
गोकुलदास	,,	24
हेमलासत्ता	,,	41
पण्डित और फकीर	,,	69
शाही कुँजड़ा	,,	73
भदभद मियाँ	,,	80
भालूराम-द्यालराम-संवाद	,,	91
देहाती वेश्या और शहराती उस्ताद	स्वर्गीय प्रेम बिहारी 'अजमेरी'	108

Scanned with OKEN Scanner

बीबी की बदौलत	स्वर्गीय प्रेम बिहारी 'अजमेरी'	111
वरदान-विडम्बना	,,	119
मोदी और चोर	,,	121
मोदी की चतुराई	,,	124
अधरतिया बेटा	,,	128
मोदी और मोछिन	,,	132

संस्मरणों के दर्पण में

संस्मरणों के दर्पण में प्रतिबिम्बित प्रतिभा	सं० पं० विद्यासागर शर्मा	137-168

Scanned with OKEN Scanner

स्व0 प्रेम बिहारी 'अजमेरी'

राज्यकवि - ओरछा, टीकमगढ़ (म0प्र0)

आत्मज - डिंगल कवि एवं गायक श्री भीखराज जी,जैसलमेर (राजस्थान)

जन्म - दिनांक 24 नवम्बर 1881 ई0, चिरगाँव, झाँसी (उत्तर प्रदेश)

भाषा ज्ञान - हिन्दी, संस्कृत, डिंगल तथा बँगला ।

प्रतिभाएँ - ब्रजभाषा, खड़ी बोली, बुंदेलखण्डी तथा डिंगल में श्रेष्ठ काव्य सर्जना, अनुवादक, लेखक, नाट्यकार, कथाकार, कहानीकार, वक्ता, समालोचक, अभिनेता, गायक, वादक एवं प्रप्युत्तपन्न मतित्व ।

अपूर्ण कार्य - सूरसागर तथा बुंदेलखण्डी शब्दकोष का सम्पादन ।

महाप्रयाण - दिनांक 26 मई 1937 ई0, चिरगाँव, झाँसी (उत्तर प्रदेश)

Scanned with OKEN Scanner